तेरी ज्योत जगाऊँ दिन रात | By Sunil Sargam

तेरी ज्योत जगाऊँ दिन रात
मेरा मन ऐसा करे
ऐसा करे ऐसा करे
मन मेरा ऐसा करे
तेरी ज्योत जगाऊँ दिन रात
मेरा मन ऐसा करे

तेरी बगिया का फूल बन जाऊं
तेरे चरणों की धुल बन जाऊं
मुझे गोदी में बिठा के करो प्यार
मेरा मन ऐसा करे
तेरी ज्योत जगाऊँ दिन रात
मेरा मन ऐसा करे

करू चरनन में तन मन अर्पण
देदो बाबा मुझको दर्शन
मुझे चरणों से लगा लो एक बार
मेरा मन ऐसा करे
तेरी ज्योत जगाऊँ दिन रात
मेरा मन ऐसा करे

एक झलक तेरी पाने को
मन करता शिरडी आने को
तुम्हे भजन सुनाऊँ दिन रात
मेरा मन ऐसा करे
तेरी ज्योत जगाऊँ दिन रात
मेरा मन ऐसा करे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%a4-%e0%a4%9c%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%81-%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%a8-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a4-by-sunil-sarg-2/